रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

संख्या-947/2018/1524/22-2-2018-17(72)/2013

लखनऊ:दिनांक: 26 दिसम्बर, 2018

आदेश

उत्तर प्रदेश के मा0 राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी भगवत चरन (बन्दी संख्या-2674/08) पुत्र श्री उदयराज, निवासी-अस्तौन, थाना-चरखारी, जनपद-हमीरपुर वर्तमान जनपद-महोबा, जिन्हें सत्र परीक्षण संख्या-19/1979 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, हमीरपुर के आदेश दिनांक 29.08.1980 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, की समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति, नहीं की गयी है किन्तु दयायाचिका समिति की संस्तुति के आधार पर बन्दी की आयु 71 वर्ष होने, 21 वर्ष से अधिक अपरिहार सजा, 28 वर्ष से अधिक सपरिहार सजा काटने तथा संतोषजनक जेल आचरण के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते हैं तथा यह आदेश देते हैं कि उक्त बन्दी द्वारा अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, महोबा के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

अमर सेन सिंह

विशेष सचिव।

संख्या-947/2018/1524(1)/22-2-2018 तद्दिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- अपर पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0।

2- जिला मजिस्ट्रेट, महोबा।

3- पुलिस अधीक्षक, महोबा।

4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज।

5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।

7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

करूणेश कुमार सिंह

उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in